हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दो भवनों का कराया गया सुरक्षित ध्वस्तीकरण, नागरिकों से सहयोग की अपील

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद मंडला द्वारा जनसुरक्षा एवं वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए जर्जर एवं खतरनाक भवनों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को वार्ड क्रमांक 3 नर्मदाजी वार्ड स्थित स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद सोनी के जर्जर भवन तथा वार्ड क्रमांक 6 रानी दुर्गावती वार्ड स्थित श्री नारायण विश्वकर्मा के जर्जर भवन का नियमानुसार सुरक्षित ध्वस्तीकरण कराया गया। नगर पालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए यह कार्रवाई संपन्न की गई। संबंधित भवन स्वामियों को पूर्व में नियमानुसार नोटिस जारी किए गए थे, किंतु आवश्यक कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण जनहित एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भवनों का ध्वस्तीकरण कराया गया। नगर पालिका परिषद मंडला ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके स्वामित्व में कोई जर्जर अथवा खतरनाक भवन है, तो उसकी समय रहते मरम्मत अथवा सुरक्षित ध्वस्तीकरण कराकर नगर पालिका प्रशासन का सहयोग करें। इससे वर्षाकाल के दौरान किसी भी प्रकार की जन-धन हानि की संभावना को रोका जा सकेगा तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

लगभग 150 वर्ष पुराने विद्यालय को जीर्णोद्धार और अतिरिक्त कक्षों की दरकार

एक ही कमरे में पढ़ने को मजबूर 80-90 छात्राएं

*** पीएमश्री रानी अवंतीबाई कन्या स्कूल में 664 से अधिक छात्राएं अध्ययनरत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानी अवंतीबाई जिले में बालिका शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वर्ष 1882 में निर्मित ऐतिहासिक भवन में संचालित यह विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण एवं अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन के कारण जिले सहित दूर-दराज के क्षेत्रों की छात्राओं की पहली पसंद बना हुआ है। वर्तमान में विद्यालय में 664 से अधिक छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है, जिससे छात्र संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में बालिकाओं के लिए केवल दो शासकीय कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय संचालित हैं। इनमें रानी अवंतीबाई विद्यालय और महाराजपुर स्थित कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय शामिल हैं। आसपास के अनेक हाईस्कूलों से छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए इसी विद्यालय में प्रवेश लेती हैं। परिसर में संचालित कन्या छात्रावास भी दूरस्थ अंचलों की छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने का बेहतर अवसर प्रदान करता है।

विद्यालय में खेल मैदान, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, स्टाफ रूम, संगीत कक्ष, रेडक्रॉस कक्ष तथा ब्यूटीशियन कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यालय प्रबंधन छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास कर रहा है।

लगातार बढ़ रही छात्र संख्या के कारण विद्यालय में कक्षों की गंभीर कमी बनी हुई है। वर्तमान में लगभग 12 कक्ष उपलब्ध हैं, जबकि 14 से 15 सेक्शन संचालित किए जा रहे हैं। परिणामस्वरूप कई कक्षाओं में 80 से 90 छात्राओं को एक साथ बैठाकर पढ़ाई करानी पड़ रही है, जिससे शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है और विद्यार्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

विद्यालय में पर्याप्त शौचालयों का अभाव भी लंबे समय से बना हुआ है। कर्मचारियों के लिए अलग पुरुष शौचालय की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वहीं, प्राचार्य कक्ष नहीं होने से प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी कठिनाइयां आती हैं।

यद्यपि शासन ने विद्यालय को पीएमश्री विद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, लेकिन बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप अतिरिक्त कक्षों के निर्माण, वर्ष 1882 के ऐतिहासिक भवन के जीर्णोद्धार तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं हो सका है। विद्यालय प्रबंधन ने अपने स्तर पर परिसर का रखरखाव एवं टीन शेड सहित आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने का प्रयास किया है।

विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने शासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि पीएमश्री विद्यालय की गरिमा के अनुरूप अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, ऐतिहासिक भवन का शीघ्र जीर्णोद्धार, पर्याप्त शौचालय, प्राचार्य कक्ष एवं अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि जिले की बेटियों को सुरक्षित, सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

इनका कहना है -

विद्यालय में छात्राओं की लगातार बढ़ती संख्या के कारण उपलब्ध कक्ष अपर्याप्त पड़ रहे हैं। कई सेक्शनों में क्षमता से अधिक छात्राओं को बैठाकर अध्ययन कराना पड़ रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कक्षों तथा पर्याप्त शौचालयों का शीघ्र निर्माण आवश्यक है।

-जयलक्ष्मी सोनी, प्राचार्या,
पीएमश्री शास. कन्या उमावि रानी अवंतीबाई, मण्डला

दूसरे दिन भी नहीं मिला नर्मदा नदी में डूबा बुजुर्ग

*** पीपरपानी गांव के पास सर्चिंग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला बायपास स्थित नर्मदा पुल के नीचे पीपरपानी गांव के पास बुधवार को नदी में लापता हुए 55 वर्षीय बुजुर्ग का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। गुरुवार को सुबह से ही एसडीईआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीम नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

गहरे पानी और तेज बहाव के बीच लापता बुजुर्ग की खोज के लिए गोताखोर लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मुंडन संस्कार के बाद नहाते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, आमनाला गांव के रहने वाले गणेश प्रसाद उईके (55) बुधवार को अपने परिवार के साथ नर्मदा तट पर पहुंचे थे। परिवार में एक रिश्तेदार के निधन के बाद वहां मुंडन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम चल रहे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद गणेश प्रसाद नदी में नहाने के लिए उतरे। इसी दौरान पैर फिसलने या गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते लापता हो गए।

जाल में फंसी संदिग्ध वस्तु, पर हाथ खाली

हादसे की खबर मिलते ही बुधवार को ही पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई थी। बुधवार देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण इसे रोकना पड़ा। गुरुवार सुबह से टीम ने दोबारा स्टीमर और नावों की मदद से खोजबीन शुरू की।

रेस्क्यू के दौरान एक बार टीम के जाल में मानव शरीर के हिस्से जैसी कोई भारी वस्तु फंसी, लेकिन पानी के दबाव के कारण वह तुरंत छूट गई। इस घटना के बाद टीम ने उस विशेष दायरे में अपनी खोज और तेज कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का हुआ मंडला आगमन

*** गर्मजोशी से कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम मंडला आगमन हुआ। जहां जिले के युवा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। जिले की सीमा से लेकर शहर के प्रमुख चौराहों तक जगह-जगह मंच सजाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जयघोष के बीच प्रदेश अध्यक्ष का काफिला मंडला पहुंचा, जहां युवा मोर्चा एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन किया। प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के मंडला आगमन से पूर्व सर्वप्रथम जिले की सीमा स्थित सलवाह मंडल, घुघरी मंडल एवं पदमी मंडल में युवा कार्यकर्ताओं ने पुष्पहार पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद जैसे ही उनका काफिला नगर सीमा में प्रवेश किया स्वागत का सिलसिला और भी भव्य हो गया। बिनेका तिराहा में विकास यादव, अंचल जैन, जैन मंदिर के सामने शुभम एवं सर्वज्ञ सोनी, दीनदयाल चौराहा में अंकित जोशी एवं नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। वहीं रेडक्रॉस परिसर के सामने मगलेश चक्रवर्ती एवं अश्वनी सोनी, नगर पालिका कार्यालय के सामने उत्कृष्ट यादव, सावन नीखर एवं राहुल सिंगौर, बैगा बैगी चौक में ऋषभ सिन्हा व नेहरू स्मारक में अजीत सिंहानी एवं अमन अग्रवाल अनुपम दीक्षित,देव सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग मंच लगाकर प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा किया। नेहरू स्मारक से ढोल-धमाकों के साथ स्वागत रैली भाजपा जिला कार्यालय पहुंचा। यहां भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके पश्चात भाजपा जिला कार्यालय में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा कि वर्ष 2014 से देश में ईमानदार और जनहितैषी सरकार बनने के बाद देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल क्रांति की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और आज देश का युवा तकनीक, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के नए युग का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है और इस संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा केवल एक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक युवा कार्यकर्ता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचानी चाहिए। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंडला के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का जिले में आगमन हुआ है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज जिस ऊंचाई पर पहुंची है, उसमें युवा कार्यकर्ताओं का सबसे बड़ा योगदान है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा एवं जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल ने किया। वही युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष झारिया ने उपस्थित सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कर्तव्यनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को भावपूर्ण विदाई, कलेक्टर ने की कार्यों की सराहना

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में गुरुवार को अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह के भोपाल स्थानांतरण होने पर गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई समारोह में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने विशेष रूप से सहभागिता की और श्री सिंह के शासकीय सेवाकाल के योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री सिंह ने अपने सेवाकाल के दौरान प्रशासनिक दायित्वों का अत्यंत निष्ठा, कुशलता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन किया। उनके प्रशासनिक अनुभव से जिला प्रशासन को जटिल मामलों के त्वरित निराकरण में सदैव मार्गदर्शन मिला।

समारोह में उपस्थित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और कलेक्ट्रेट स्टाफ ने भी अपर कलेक्टर श्री सिंह के साथ कार्य करने के अपने अनुभवों को साझा किया। सभी ने उनके मिलनसार स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा और सहकर्मियों के प्रति उनके सहयोगात्मक रवैये की प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

अपने विदाई समारोह में भावुक होते हुए अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के कुशल नेतृत्व और पूरे कलेक्ट्रेट स्टाफ से मिले निरंतर सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस जिले में बिताया गया समय और यहाँ की स्मृतियाँ उनके शासकीय जीवन का एक अमूल्य हिस्सा रहेंगी।

विडम्बना | **खुले में पड़ी मिली एक्सपायरी दवाएं, भृत्यों के सहारे संचालित हो रहा अस्पताल।**

ताले में कैद आयुष्मान आरोग्य मंदिर

*** पिछले दो माह से नहीं है एएनएम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

जिले की निवास तहसील से महज 11 किमी. दूर ग्राम हीरापुर में आयुष्मान आरोग्य में पिछले 2 महीने से एएनएम नहीं है जिससे ग्राम व आसपास के निवासियों को इस अस्पताल से स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पा रहा।

स्वास्थ विभाग के आलाधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारी के मनमाने रवैये से निवास विकासखंड के अधिकांश अस्पताल महीनों से बंद पड़े हैं, जिनकी खोज खबर लेने वाला कोई नहीं है। वहीं इन स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन न सिर्फ चपरासी के सहारे किया जा रहा है बल्कि ये भृत्यों सामान्य दवाई भी बाँट रहे है।

नियमित कर्मचारियों के अभाव में स्थानीय मरीज प्राथमिक उपचार के लिए निवास मुख्यालय जाने को मजबूर हैं। इस अव्यवस्था से बेहद नाराज ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि आपातकालीन स्थिति में 10 से 12 किलोमीटर दूर निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का रुख करना पड़ता है।

क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति पहले से ही चुनौतीपूर्ण है—जंगलों एवं पहाड़ियों से घिरे इस गाँव में मोबाइल नेटवर्क भी न के बराबर है। ग्रामीणों को आपातकालीन स्थिति में मोबाइल से बात करने के लिए गाँव से बाहर किसी ऊँचाई वाले स्थान तक जाना पड़ता है। निवास क्षेत्र के अनेकों उप स्वास्थ्य केंद्र इसी तरह की बदहाली में है। निवास नगर के नजदीक करौंदी उप स्वास्थ्य केंद्र भी लगातार कई दिनों से बंद पड़ा हुआ है। इस विषय से जब संवाददाता ने बीएमओ निवास डॉ विजय पेगवार से बात की तो उन्होंने कहा कि मैं लगातार मॉनिटरिंग कर रहा हूं। आप ने मामले को संज्ञान में लाया है। इसका दौरा कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाएगा।

कूड़ेदान में मिलीं लाखों की दवाएं

इस उप स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली का सबसे शर्मनाक पहलू तब सामने आया, जब केंद्र के सामने रखे कूड़ेदान में लाखों रुपये की एक्सपायरी (समाप्त हो चुकी) दवाएं लावारिस हालत में पाई गईं। यह स्पष्ट संकेत है कि ताले में बंद इस केंद्र के भीतर दवाएं एक्सपायर होती रहीं, लेकिन जिम्मेदारों ने उन्हें जरूरतमंदों तक पहुँचाने की कोई जहमत नहीं उठाई।

स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़

सबसे गंभीर पहलू यह है कि ये एक्सपायरी दवाएं जिस कूड़ेदान में फेंकी गई हैं, वह एक स्कूल भवन के ठीक सामने स्थित है। नियमों की अनदेखी करते हुए जहरीली दवाइयों को खुले में फेंकने से स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि मासूम बच्चों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ भी है।

तस्वीरें स्वास्थ्य विभाग के दावों पर सवाल खड़ा कर रहे हैं, कि आखिर कब तक ग्रामीण ऐसी बदहाल स्थितियों में जीने को मजबूर रहेंगे और कब जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई होगी?

जनजाति कार्य विभाग में तकनीकी अमले की कमी से निर्माण कार्य प्रभावित

*** एसडीओ नहीं, एक उपयंत्री के भरोसे स्कूल एवं छात्रावास निर्माण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आदिवासी बाहुल्य मण्डला जिले में जनजाति कार्य विभाग के अधीन संचालित सैकड़ों शासकीय विद्यालयों एवं छात्रावासों के भवन निर्माण, मरम्मत, अधीक्षक कक्ष, बाउंड्री वॉल सहित अन्य निर्माण कार्य तकनीकी अमले की कमी के कारण प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। विभाग में एसडीओ एवं उपयंत्री के रिक्त पदों के चलते निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी निरीक्षण और समयबद्धता को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार विभाग में एक एसडीओ तथा दो उपयंत्रियों के पद स्वीकृत हैं। बताया जा रहा है कि पिछले एक-दो माह से एसडीओ का पद रिक्त है, जबकि दो स्वीकृत पदों में केवल एक उपयंत्री ही कार्यरत है। ऐसे में जिलेभर में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का नियमित निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

वर्तमान में जनजाति कार्य विभाग के अधीन जिले के अनेक विद्यालयों एवं छात्रावासों में भवन निर्माण, मरम्मत, अधीक्षक कक्ष एवं बाउंड्री वॉल सहित विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एकमात्र उपयंत्री पूरे जिले के सभी निर्माण कार्यों का प्रभावी तकनीकी निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण सुनिश्चित कर सकता है।

विभागीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि कार्यालय में पदस्थ एकमात्र उपयंत्री अधिकांश समय कार्यालय अथवा फील्ड में उपलब्ध नहीं रहते। यदि इस संबंध में वस्तुस्थिति की जांच कराई जाए तो निर्माण कार्यों के तकनीकी निरीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण एवं निगरानी की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि जनजाति कार्य विभाग में रिक्त एसडीओ एवं उपयंत्री के पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाए, ताकि विद्यालयों एवं छात्रावासों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य समयबद्ध, पारदर्शी तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सकें।

दादा धूनी नगरी में 37 करोड़ 22 लाख की सौगात
जिला प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में हुआ लोकार्पण

अब महानगरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी जिले के प्रथम सांदीपनि विद्यालय में -राजपूत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

क्षेत्रवासियों का बड़ा ही सौभाग्य है कि मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के प्रयासों के चलते जो सौगाते सबसे पहले जिला स्तर पर मिलती है वह सौगाते हमारे क्षेत्र को मिलते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। इस बात का जीता जागत उदाहरण दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में जिले में सबसे पहले यानि की जिले का प्रथम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय जो 35 करोड़ से भी अधिक लागत से बनकर देश का भविष्य बनाने वाले विद्यार्थियों को पढ़ने का अवसर प्रदान किया गया है। गुरूवार को प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दादा धूनी नगरी को मिली इस सौगात का लोकापर्ण करते हुये कहा कि साईंखेड़ा में निर्मित सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात है। यह केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों और उनकी संभावनाओं को नई उड़ान देने वाला शिक्षा का आधुनिक केंद्र है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी महानगरों के समान गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो। गुरूवार को जिले प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह तथा अन्य अतिथियों की मौजूदगी में दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा में 37.22 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जिले के प्रथम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक, लोकतंत्र सेनानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, गाडरवारा नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मिनेन्द्र डागा, नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति/ सचिन अग्रवाल, जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा सहित अन्य लोग मंचाशीन थे। प्रभारी मंत्री राजपूत ने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब विद्यालयों में टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ाई की गई, विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी कमी नहीं रही, कमी केवल संसाधनों और आधुनिक अधोसंरचना की थी। आज प्रदेश सरकार ने उस कमी को दूर करते हुए शासकीय विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी श्रेष्ठ शिक्षा का अवसर मिल रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक अधोसंरचना विकसित की गई। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिलेगा। इस दौरान प्रभारी मंत्री राजपूत ने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा कठिन परिश्रम के बल पर अपने परिवार के साथ साथ क्षेत्र व जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी नई पहचान बनाई है। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुये क्षेत्र के विधायक व क्षेत्र को विकास की गति देने वाले प्रदेश के शिक्षा तथा परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि साईंखेड़ा में सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय की स्थापना क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव प्रयोग है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को भी देश के प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों के समकक्ष आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी। अब विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपना घर बनने के बाद गृह प्रवेश के अवसर पर अत्यंत प्रसन्न और उत्साहित होता है। उसी प्रकार आज हम लोगों को इस विद्यालय के लोकार्पण के अवसर पर यहां के विद्यार्थी भी नए विद्यालय में प्रवेश को लेकर उत्साह और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। यह विद्यालय उनके सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बनेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा और आधारभूत अधोसंरचना के विकास पर निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे शासकीय विद्यालयों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास के कार्य स्वीकृत एवं पूर्ण किए गए हैं। इसी कड़ी में आज 23 करोड़ रुपये की लागत के बारछी पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आयोजित कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनका परिणाम सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय जैसी महत्वाकांक्षी पहल के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। नरसिंहपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहा है और यहां के विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणामों में लगातार अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय जैसी आधुनिक संस्थाएं इस उत्कृष्ट परंपरा को और अधिक मजबूत करेंगी तथा विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेंगी। यह विद्यालय लगभग 11 हजार 772 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित 37.22 करोड़ रुपये लागत के इस सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय भवन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्याधुनिक शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं। विद्यालय के भू-तल में प्राचार्य एवं उप-प्राचार्य कक्ष, प्रशासनिक एवं लेखा कक्ष, 12 स्मार्ट क्लास रूम, स्टाफ रूम, रिकॉर्ड एवं परीक्षा कक्ष, हेड मास्टर कक्ष, काउंसलर कक्ष, खेल एवं स्वास्थ्य कक्ष, 360 क्षमता वाला बहुउद्देशीय सभागार, मिड-डे मील किचन, कला एवं शिल्प कक्ष, डांस एवं म्यूजिक रूम, विद्युत एवं सर्वर रूम तथा दिव्यांगजनों के लिए रैम्प की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रथम तल (मिडिल सेक्शन) में 18 स्मार्ट क्लास रूम, आधुनिक ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, स्टेम लैब, साइंस लैब, वोकेशनल लैब, मैथ्स लैब, पृथक स्टाफ रूम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। द्वितीय तल (हायर सेकेंडरी सेक्शन) में 18 स्मार्ट क्लास रूम के साथ भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, कॉमन रूम, स्टाफ रूम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इस विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के लिए वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल कोर्ट, स्कूल बसों के लिए पार्किंग, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, फायर डिटेक्शन एवं फायर फाइटिंग सिस्टम, 200 केवीए ट्रांसफार्मर, 200 केवीए डीजी सेट, कैंपस स्ट्रीट लाइटिंग तथा आधुनिक विद्युत व्यवस्था भी विकसित की गई है। इन सभी अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम से क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा, जिससे वे अपने शैक्षणिक, बौद्धिक और खेल कौशल का समग्र विकास कर सकेंगे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश पाठक, सांईखेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा शिवाकांत मिश्रा, मिनेंद्र डागा, ठाकुर राजीव सिंह, गोविंद सिंह पटेल सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र- छात्राएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

धूमधाम से निकली भगवान जगदीशजी की रथ यात्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भगवान जगन्नाथ जगत के नाथ है और वह वर्ष में एक बार उनके रथयात्रा महोत्सव के दिन अपना सिंहासन छोड़ते हुए वह भक्तों के बीच आकर उनकी मनोकामनाएं पूरी करते है। धर्म शास्त्रों में इस बात का उल्लेख है कि जो व्यक्ति भगवान जगन्नाथ के रथ के रस्से को पकड़ कर एक कदम भी आगे चलता है उसे एक अश्व मेघ यज्ञ करने के बरबार का पुण्य प्राप्त होता है और जो भक्त भगवान जगन्नाथ से रथ यात्रा महोत्सव का साक्षी बनता है उसे अपने जीवन की समाप्ति पर भगवान धाम की प्राप्ति होती है। इन मान्यताओं के आधार पर शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ जी की हर वर्ष भव्य रथयात्रा शोभायात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है उसी के चलते कल गुरूवार को इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम के साथ निकाली गई। भगवान जगदीश का प्रिय दिवस गुरूवार के दिन भगवान की रथयात्रा का शुभ मुहुर्त बडा ही सौभाग्यशाली बताया जाता है। क्योंकि जीव जगत के सृष्टा भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा इसी परम्परा की कड़ी में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर कल गुरूवार को नगर के जगदीश मंदिर से डी जे साउंड सहित ढोल ढमाकों की धूमधाम व लतहराती धर्म ध्वजाओं के साथ संत व महात्माओं के सानिध्य में निकाली गई जिसमें नगर के प्रथम नागरिक नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, समाज सेवी रविशेखर जायसवाल, मुकेश बसेड़िया, मुरारी व्यास सहित अन्य लोगों ने रथ को खीचते हुये शुरूआत की गई। इस तरह भगवान जगन्नाथ जी की इस रथयात्रा के दौरान शहर में श्रद्वा, भक्ति के अद्भूत नजारे देखने मिले। वही दूसरी ओर शहर के श्रद्वालु पुरूषों, महिलाओं के साथ युवाओं तथा बच्चों ने भगवान जगन्नाथ का पूजन, दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और भगवान जगन्नाथ का जयघोष किया। वही रथ के साथ चल रहे प्रसादी वितरण में जगन्नाथ के भात की प्रसादी को आदर के साथ ग्रहण की गई। क्योंकि भगवान जगदीश जी की भांत की कहावत है कि जगन्नाथ का भांत जगत पसारे हाथ के चलते नगरवासी भगवान का भांत रूपी प्रसादी लेने के लिये भगवान के सामने भीड़ लगाते हुये देखने मिली। क्योंकि रथ यात्रा को दौरान वितरण होने वाली भात की इस प्रसादी को लेकर लोग अपने घर के रसोई भंडारे में मिलता है तो वह कभी खाली नही होता है। इसी मान्यता के चलते लोग भगवान की रथ यात्रा के दौरान वितरण होने वाली भगवान की आर्शीवाद स्वरूप प्रसादी जगननाथ का भात को ले जाकर अपने भंडारे में जरूर रखते है। इस प्रकार से भगवान जगदीश की की यह रथ यात्रा नगर के जगदीश मंदिर से निकलते हुये सराफा बाजार से होते हुये हृदय स्थल झंडा चौक पहुंचने के बाद आगे की ओर रवाना हुई। इस तरह नगर के मुख्य मार्गो पर भगतों की भीड़ लगातार बढते ही क्रम में देखने मिली। इस प्रकार से नगर के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि हाथ फैलाकर लोगों पर कृपा लुटा रहे सुसज्जित रथ पर अपने बड़े भाई बलदेव व बहिन सुभद्रा के साथ विराज मान भगवान जगत के नाथ नगरवासियों को आर्शीवाद प्रदान कर रहे थें। इस दौरान देखा गया कि रथ को कुछ समय तक रथ को खीच रहे संतों ने श्रद्वालुओं का उत्साह बढ़ाया गया। यह भगवान जगन्नाथ जी के रथ की शोभायात्रा नगर के जगदीश मंदिर से शुरू होकर पुरानी गल्ला मंडी, झंडाचौक, चौकी मुहल्ला, चांवडी रोड से पानी टंकी होते हुए पलोटन गंज पहुंचते ही अचानक कुछ मिनिटों के लिये तेज बारिश का दौर शुरू हुआ इस दौरान भगवान के भक्तों ने बारिश के बीच पहुंचकर भगवान का पूजन अर्चन करते हुये आर्शीवाद लिया गया। वैसे भी देखा जावे तो गुरूवार को दिन भर बारिश का दौर थमा हुआ था। मगर जब जगत के नाथ की रथ यात्रा निकली और पलोटनगंज पहुंचते ही जिस तरह अचानक कुछ पल के लिये बारिश का दौर शुरू हुआ तो ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा था कि मानों इस यात्रा में भगवान इन्द्र जी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी गई है। इस तरह से यह यात्रा पलोटन गंज से होते हुये शासकीय चिकित्सालय मार्ग से होकर विजय कालोनी से निकलते हुये पुनः पानी टंकी मार्ग से महावीर भवन के मुख्य मार्ग से श्याम टाकीज होतु हुए पटैल वार्ड मालगुजार परिवार में पहुंची जहां पर रात्रि में भगवान जगन्नाथ के रात्रि विश्राम का कार्यक्रम निर्धारित है। वही भगवान जगन्नाथ के रथयात्रा महोत्सव के आयोजन में जगदीश मंदिर के महंत की अहिम भूमिका रही। वही यात्रा में उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागुर के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान सहित अन्य पुलिस प्रशासन ने भी अनुशासन बनाये रखने का सराहनीय कार्य किया। वही इस रथयात्रा के दौरान अनेक संतो सहित क्षेत्र के अनेक नेताओं के आलवा अन्य लोग शामिल होकर भगवान जगदीश्वर का रथ खीचलते हुये देखे गये। इस प्रकार से भगवान की जगदीश की रथयात्रा के चलते संपूर्ण नगर धर्ममय होते हुये देखा गया।

लांयस क्लब शांकरी का आयोजित हुआ शपथ ग्रहण समारोह

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय एक होटल में लांयस क्लब इंटरनेशनल डि. 3233-सी का शपथ ग्रहण समारोह लायन मधुमति चौहान की अध्यक्षता एमजेएफ लायन नरेंद्र जैन पूर्व डि-गवर्नर के मुख्य आतिथ्य तथा लायन दुर्गेश धूपर के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। शपथ अधिकारी के रूप में एमजेएफ लायन यशवंत सिंह सेंगर डि. चेयरमैन जबलपुर से पधारे हुये थे। सर्वप्रथम सभी लांयस को मंचासीन उपरान्त दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन लायंस पितामह लायन मेल्विन जोन्स के वंदन पश्चात लायन ध्वज वंदना की गई। निवर्तमान अध्यक्ष मधुमति चौहान द्वारा स्वागत भाषण एव अपने विगत वर्ष के आयोजित कार्यक्रम, उपलब्धियों के बारे में बताया गया। वर्ष भर सहयोगी साथियों की स्मृति चिन्ह माला से सम्मानित किया। शपथ अधिकारी ने नई अध्यक्ष लायन अनिता जायसवाल को अपने पद की शपथ दिलाई गई। इसके साथ लायन केआर सप्रे को सचिव, लायन पीएस तिवारी कोषाध्यक्ष, लायन परमेश्वर कुषवाहा सहकोषाध्यक्ष, लायन सरोज नामदेव टेमर, संगीता जायसवाल, आशा सोनी उषा पारासर, ममता पांडे, संगीता चौधरी, किरन बिश्नोई, डायरेक्टर लायन ब्रजेश पटेल को प्रथम उपाध्यक्ष, लायन एमएल आरसे द्वितीय एवं लायन मनजीत नागपाल को तृतीय उपाध्यक्ष का पद दिया गया। सविता बड़कुल क्लब मार्केटिंग चेयरपर्स, कामिनी निगम क्लब मेम्बरशिप डायरेक्टर, माया खजांची क्लब सर्विस चेयर पर्सन, ऊषा दुबे एलसीआई-एफ चेयरपर्सन, मधुमति चौहान क्लब कम्यूनेन्शन चेयरपर्सन तथा क्लब में सर्व लायन जगदीश प्रसाद अग्रवाल, दीपिका उपाध्याय, शशि बालिया, जूही दुबे, बबीता दुबे, आषुतोष दुबे ने नये मेम्बर के रूप में शपथ ली गई। नव नियुक्त अध्यक्ष अनीता जायसवाल ने अपने कार्यकाल में स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण एवं चंहुमुखी सेवा कार्यकरने हेतु सभी मेम्बर्स को सहयोग करने कहा। इस मौके पर समाज सेवी रविषेखर जायसवाल ने क्लब के कार्यों में पूर्ण सहयोग करने का वचन दिया। शपथ लेते ही अध्यक्ष अनीता जायसवाल ने गोदित शाला में शिक्षण सामग्री प्रदाय की गई। वही मनजीत नागपाल ने नेत्र शिविर हेतु 5000 रूपए की राशि अध्यक्ष को प्रदान की। मुख्य अतिथि ने लायस सेवा गतिविधियों की चर्चा करते हुए वरिष्ठ व कान्फ्रेंस में उपस्थित सदस्यों का पिन लगाकर सार्टिफिकेट से सम्मान किया।

निजी शिक्षण संस्थाओं में मापदंडों के अनुसार सुविधाओं की कमी फिर भी फीस वसूली पूरी खड़े कर रही सवाल...?

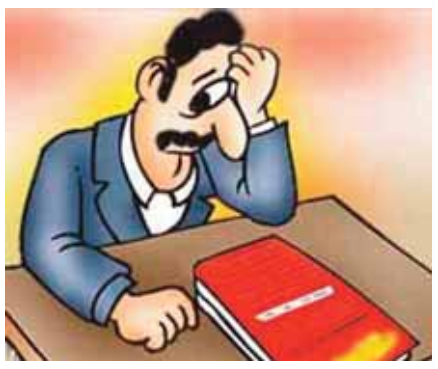

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वार्थ कुछ ज्यादा ही नजर आ रहा है..? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिनों दिन गाजर घांस की तरह ऊंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरूद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुई प्रतीत होने से नही चूक रही हैं..? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभुत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है। जिसका प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। वही शहर में स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रहते हुये नजर आने से नही चूक रही हैं..? ऐंसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होनहारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अंजान नहीं हैं। शिक्षा की दुकान बनी निजी शालाओं को बढ़ावा देने में पालक भी कम दोषी नहीं हैं क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समय नगर के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र कक्षा 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती अल्प वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित होते हुये दिखाई दे रहे है। इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाघर, शौंचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं। नगर में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में संचालित होते हुये देखाई देने के बाद भी शिक्षण संस्थाओं के संचालको द्वारा पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अग्रेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हे खुदे तो अग्रेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है..? क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फीस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी..? पालकों को चाहिये कि वे शिक्षण सत्र शुरू होने के दौरान अपनी जागरूकता का परिचय देते हुये पूर्ण नियम कानून से चलने वाली शालाओं में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाये जिससे उनका भविष्य सँवर सके। वही शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि गाजर घास की तरह उग रही इन शिक्षण संस्थाओं की जाँच करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरनते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। ,विदित हो कि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है। इस तरह किराये के मकानों में संचालित होने वाली अग्रेजी माध्याम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है,और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवारी ढोते हुये दिखाई देने से नही चूकती है। सच्चाई यह है कि उन्ही के साथ बच्चों को भी भेड़बकरी की तरह बैठाकर घर पहुंचा दिया जाता है। यदि इस प्रकार की संस्थाओं की ईमानदारी से जांच हो जावे तो फीस बसूली जाती है उतनी सुविधाएं नजर नही आ रही है। इस तरह निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा की जाने वाली मनमानी को प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने वाले संरक्षण के चलते पुनः बडे स्तर पर फिर शुरू करते हुये मनमानी पर उतारू दिखाई देने लगे है।

लांइस क्लब की समीक्षा बैठक के दौरान की गई अनेक घोषणायें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समाज सेवा के लिये सदा ही अग्रसर रहने वाले लांइस क्लब की बीते हुये नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीमति अनीता रविशेखर जायसवाल की मौजूदगी में पहली समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि लांइस क्लब डि. 3233 सी सांकरी द्वारा लायन अनीता जायसवाल की अध्यक्षता में तथा लायन ममता पांडे के संरक्षण व पूर्व अध्यक्ष मधुमति चौहान के मार्गदर्शन में एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर लायन कामनी निगम, पी एस तिवारी, ब्रजेश पटैल, मनजीत नागपाल, के आर सप्रे, सबिता बड़कुल सहित अन्य सदस्य मौजूद रही। इस दौरान अनीता जायसवाल द्वारा आगामी कार्यक्रमों के संबंध में रूपरेखा से अवगत कराया गया।

म.प्र.शासन का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहनों की अनदेखी खड़े कर रही सबाल...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरा सर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है।

निर्मल ग्रामो की बर्बादी, कमिशन की आड़ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है।

शमशान घाट पर आवारा मवेशियों का लगा रहता है जमावड़ा, गंदगी के बीच अपनी जिन्दगी के अंतिम पंडाव को पार करने मजबूर लोग

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव पक्के शमशान घाट इस सोच के चलते निर्मित कराये जा रहे है कि आदमी की जीवन की अंतिम यात्रा तो सुखमय तरीके से पूर्ण हो सके और जब किसी व्यक्ति की जिन्दगी समाप्त होने के बाद जब उसे अंतिम संस्कार करने के लिए ले जावे तो लोगों को कुछ शांति का अहसास हो सके? मगर इस समय जिस प्रकार से सांईखेड़ा के शमशान घाट की सच्चाई देखी जा रही है उसके चलते सरकार की संपूर्ण विकास कार्यो पर सबालिया निशाल लगने से नही बच पा रहे है? क्योंकि नगर का एक मात्र शमशान घाट अनेक प्रकार की अव्यवस्थाओं से घिरा हुआ दिखाई पड़ रहा है, जिसके उद्धार हेतु किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण जहां यह शमशान घाट चारो ओर गंदगी से घिरा हुआ है।

खबर संक्षेप

शहपुरा में वर्ष-3 के सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम का शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित

शहपुरा। जनजातीय कार्य विभाग के तत्वावधान में संचालित सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष-3 के पाठ्यक्रम पर आधारित एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन गुरुवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शहपुरा में किया गया। प्रशिक्षण सहायक आयुक्त राजेन्द्र जाटव एवं बीईओ प्रवीण तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।प्रशिक्षण में शहपुरा विकासखंड के माध्यमिक विद्यालयों, एकलव्य विद्यालय एवं सांदीपनि विद्यालय के शिक्षकों को वर्ष-3 के पाठ्यक्रम, जीवन कौशल के तीन प्रमुख आयामों, 11 जीवन कौशलों, सत्र संचालन की प्रक्रिया, मैजिक मित्र उपकरण तथा डेमो सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बच्चों में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन, व्यक्तित्व विकास तथा सेक्स एवं जेंडर जैसे संवेदनशील विषयों पर वैज्ञानिक एवं तथ्यपरक जानकारी साझा की गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को विद्यालयों में जीवन कौशल आधारित गतिविधियों का प्रभावी संचालन करने तथा विद्यार्थियों की सीख को 'मेरी सीख' पुस्तिका में नियमित रूप से दर्ज करने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी एवं उत्कृष्ट प्राचार्य डॉ. डी. के. श्रीवास्तव, बीआरसीसी गुरुप्रसाद साहू, प्रशिक्षण प्रभारी अश्विनी कुमार साहू, सक्षम जीवन कौशल जिला समन्वयक महाराणा प्रताप सिंह तथा ब्लॉक मैनेजर संदीप शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय पर सभी सत्रों का संचालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स मनीष साहू, श्रीमती संध्या वरकड़े एवं मोतीलाल लखेरा ने किया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने "नशे से दूरी, सबसे जरूरी" का संदेश देते हुए नशा मुक्ति की शपथ ली।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने इग्नू अमरकंटक में की समीक्षा बैठक

अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (इग्नू) अमरकंटक में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के आगमन पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रभारी कुलपति प्रो. अवधेश कुमार शुक्ल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल तथा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए। इसके बाद श्री आर्य ने विश्वविद्यालय के अनुसूचित जनजातीय प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने प्रभारी कुलपति, कुलसचिव तथा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। बैठक में कुलसचिव प्रो. मूर्ति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। मॉडल ट्राइबल स्कूल के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि कक्षा 1 से 8 तक संचालन की मान्यता जिला शिक्षा अधिकारी, अनूपपुर द्वारा प्रदान की गई है, जबकि कक्षा 9 से 12 तक संचालन के लिए विस्तृत प्रस्ताव संबंधित मंत्रालय को भेजा जा चुका है।

साल बोरर का बढ़ता प्रकोप: डिंडोरी में डेढ़ लाख से अधिक सरई के पेड़ प्रभावित, कीट नियंत्रण अभियान तेज

डिंडोरी।

जिले के जंगलों में लगभग तीन दशक बाद एक बार फिर साल बोरर (Sal Borer) कीट का प्रकोप सामने आया है। वर्ष 1997-98 के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर सरई (साल) के पेड़ इस कीट से प्रभावित हुए हैं। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में कीट नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है। वहीं, भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद प्रभावित लगभग 1 लाख 46 हजार 784 सरई के पेड़ों की कटाई की जाएगी।

जुलाई तक चलेगा कीट पकड़ो अभियान, प्रति सिर दो रुपये प्रोत्साहन

एसडीओ एस.के. जाटव ने बताया कि पूर्व करंजिया, पश्चिम करंजिया, दक्षिण समनापुर और बजाग वन परिक्षेत्र के करीब 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरई के पेड़ साल बोरर की चपेट में हैं। 20 जून से ग्रामीणों के सहयोग से कीट पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। अब तक करीब 10 लाख कीट पकड़े जा चुके हैं। ग्रामीण कीटों के सिरों की माला बनाकर वन विभाग को सौंपते हैं, जिसके बदले प्रति सिर दो रुपये का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। अभियान के दौरान लगभग 15 हजार प्रभावित पेड़ों को काटा जा रहा है। जुलाई के अंत में दो डीएफओ अधिकारियों की मौजूदगी में इनकी वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।एसडीओ जाटव के अनुसार, प्रभावित सरई के पेड़ों को काटकर उनकी छाल पर प्रहार किया जाता है। इससे निकलने वाली गंध से करीब तीन किलोमीटर दूर तक मौजूद साल बोरर कीट आकर्षित होकर पेड़ पर पहुंच जाते हैं और रस का सेवन करने लगते हैं। सुबह सूर्योदय से पहले ग्रामीण इन कीटों को आसानी से पकड़ लेते हैं, क्योंकि सूरज निकलने के बाद ये फिर उड़ने लगते हैं। इसके बाद ग्रामीण कीटों के सिर अलग कर उनकी माला बनाकर वनकर्मियों को सौंपते हैं।

केंद्र की अनुमति के बाद होगी बड़े स्तर पर कटाई

वन विभाग की उत्पादन डीएफओ भारती ठाकरे ने बताया कि सामान्य वन मंडल द्वारा 1 लाख 46 हजार 784 प्रभावित पेड़ों की मार्किंग पूरी कर ली गई है। अब भारत सरकार से अंतिम अनुमति मिलने का इंतजार है। अनुमति मिलते ही पेड़ों की कटाई शुरू होगी, जिसमें लगभग तीन माह का समय लगेगा। इस कार्य के लिए सामान्य, उत्पादन, मंडला वेस्ट और मंडला ईस्ट के चार डीएफओ की निगरानी में अभियान संचालित किया जाएगा।वन विभाग को कटाई के बाद लगभग 46,390 चट्टे इमारती लकड़ी तथा 43,390 चट्टे जलाऊ लकड़ी प्राप्त होने की उम्मीद है। इनका ई-ऑक्शन कराया जाएगा। लकड़ी को गाड़ा सरई और करंजिया स्थित काष्ठागार में सुरक्षित रखा जाएगा।

डिंडोरी पुलिस ने बरामद किए 271 गुम मोबाइल, कीमत करीब 48.78 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। डिंडोरी पुलिस ने साइबर सेल और जिले के सभी थाना प्रभारियों के संयुक्त प्रयास से 271 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 48 लाख 78 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेखा धमेन्द्र सिंह एवं समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के दौरान साइबर टीम ने मोबाइल ट्रैकिंग, IMEI ट्रेसिंग और अन्य तकनीकी संसाधनों की सहायता से गुम मोबाइलों का पता लगाकर उन्हें बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, सबसे अधिक 73 मोबाइल शहपुरा थाना क्षेत्र से बरामद किए गए। इसके अलावा कोतवाली डिंडोरी से 45, समनापुर से 61, गाड़ासरई से 18, मेहंदवानी से 19, करंजिया से 14, शाहपुर से 11 तथा बजाग से 30 मोबाइल फोन बरामद किए गए।पुलिस ने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक जिले में कुल 1,544 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 77 लाख 92 हजार रुपये है। मोबाइल वापस मिलने पर हितग्राहियों ने डिंडोरी पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अभियान की सराहना की।अभियान की सफलता में साइबर सेल एवं विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने की स्थिति में तत्काल निकटतम थाने में सूचना दें तथा CEIR पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

चंद्र विजय महाविद्यालय और एकलव्य विद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में पुलिस विभाग की नारकोटिक्स शाखा, जिला प्रशासन एवं शिवनिल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में संचालित "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान के तहत गुरुवार को चंद्र विजय महाविद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय, डिंडोरी में नशामुक्ति जागरूकता एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशा न करने तथा अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए और राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में एसडीओपी सतीश द्विवेदी, थाना प्रभारी सुभाष उईके, यातायात एएसआई प्रवीण खमरिया, अभिनय राव एवं प्रधान आरक्षक केशव प्रसाद सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं चंद्र विजय महाविद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. अखिलेश चतुर्वेदी एवं प्रो. राजेंद्र तोमर भी उपस्थित रहे।शिवनिल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, डिंडोरी की ओर से श्रीमती सुधा तिवारी, देवराज कछवाहा, रितु सेन एवं बच्चू नाथ चौहान सहित केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में माय भारत (MY Bharat) के स्वयंसेवकों का भी सराहनीय सहयोग रहा।उल्लेखनीय है कि "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान पुलिस विभाग की नारकोटिक्स शाखा एवं जिला प्रशासन की संयुक्त पहल है। अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। जिले में यह अभियान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के दिए निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर सभाकक्ष में कृषि कल्याण वर्ष के तहत कृषि विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड, सहकारिता विभाग की योजनाएं, कृत्रिम गर्भाधान, सेक्स सीमेन तकनीक, मत्स्य पालन गतिविधियां और फिश पार्लर की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए।

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, पशुपालन, मत्स्य पालन और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाई जाए। इसके लिए नियमित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक किसान योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राकृतिक कारणों से बुवाई, रोपाई या अंकुरण प्रभावित होने की स्थिति में पात्र किसानों को योजना के प्रावधानों के अनुसार समय पर लाभ उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करते हुए योजना की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाई जाए।बैठक में धन-धान्य योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना से जुड़े सभी पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत डेटा एंट्री कार्य निर्धारित समय में पूरा किया जाए, जिससे शासन को सही जानकारी उपलब्ध हो सके और किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरी, कृषि उपसंचालक श्री संजय दोषी सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त संचालक डॉ. अल्केश चतुर्वेदी ने पांच महाविद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

शैक्षणिक गुणवत्ता, नियमित कक्षाओं और रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था का लिया जायजा

डिंडोरी। उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. अल्केश चतुर्वेदी ने गुरुवार को जिले के पांच शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने नियमित कक्षाओं के संचालन, शिक्षकों की उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता, मूलभूत सुविधाओं तथा छात्र हित से जुड़े विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण की शुरुआत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय चंद्र विजय महाविद्यालय, डिंडोरी से हुई। यहां उन्होंने कक्षाओं का भ्रमण कर प्राध्यापकों से संवाद किया और नियमित अध्ययन-अध्यापन, डेली डायरी के संधारण तथा नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों के साथ शैक्षणिक विषयों पर विस्तार से चर्चा भी की।

इसके बाद डॉ. चतुर्वेदी ने मेकलसुता अशासकीय महाविद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा परीक्षा परिणामों में सुधार के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग एवं कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया।शासकीय आदर्श मॉडल महाविद्यालय, डिंडोरी में उन्होंने समयबद्ध कक्षाओं के संचालन, उपस्थिति पंजी के नियमित संधारण तथा विद्यार्थियों को पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला जैसी सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।भ्रमण के अंतिम चरण में अतिरिक्त संचालक ने शासकीय मॉडल महाविद्यालय तथा शासकीय महाविद्यालय, शहपुरा का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली का भी किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान डॉ. चतुर्वेदी ने सभी महाविद्यालयों में स्थापित रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने सभी संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली का नियमित संचालन सुनिश्चित करने तथा अधिकतम वर्षा जल संग्रहण के माध्यम से भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्य सहित शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा।

स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई: कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र सहित अन्य स्वास्थ्य भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराए जाएं।

कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन भवनों का निर्माण कार्य पूरी तरह पूर्ण नहीं हुआ है, उनका हैंडओवर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाए।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सभी भवन परिसरों के आसपास निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधरोपण कार्य समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों के परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।बैठक में जिला अस्पताल परिसर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से 19 जुलाई को सुबह 10 बजे फायर फाइटिंग डेमो आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी भी स्थिति में प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप, समनापुर थाने में एफआईआर दर्ज

डिंडौरी। जिले के समनापुर थाना क्षेत्र में कथित रूप से प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 एवं 299 तथा मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 की धारा 3 और 5 के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता पवन कुमार अहिरवार ने आरोप लगाया है कि आरोपी वेद कुमार मधुकर पिछले कुछ समय से उसे और उसके परिवार को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कथित रूप से प्रेरित कर रहा था। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने बीमारी ठीक होने, आर्थिक सहायता मिलने और बेहतर जीवन का भरोसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन दिया। साथ ही हिंदू देवी-देवताओं एवं धार्मिक आस्थाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया गया है।शिकायतकर्ता के मुताबिक, 14 जुलाई को आरोपी उसके घर पहुंचा और धर्म परिवर्तन के लिए कथित रूप से दबाव बनाया। विरोध करने पर विवाद की स्थिति बन गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मौजूदगी में पुलिस को सूचना दी गई।समनापुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दिगंबर जैन महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी गठित

तेंदूखेड़ा। सकल दिगंबर जैन समाज तेंदूखेड़ा की महिला मंडल के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव संरक्षक मंडल की उपस्थिति में संपन्न हुए। इस अवसर पर संरक्षक मंडल में श्रीमती अंगूरी स्वदेशी डा किरण प्रभा जैन राजकुमारी स्वदेशी किरण मोदी शकुंतला जैन मीना जैन (तिगड्डा) एवं सविता मोदी उपस्थित रहीं।

नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारी

चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से चयन किया गया जिसमें अध्यक्ष श्रीमती विद्या सेठ बरिया वाले सचिव आनंदधारा जैन कोषाध्यक्ष अर्चना स्वदेशी सह कोषाध्यक्ष अंजू मोदी उपाध्यक्ष सीमा अहिंसा मंजू (मयंक) एवं राज जैन सहसचिव श्रीमती आरती मोदी प्रीति सेठ एवं ममता केसली प्रचार प्रसार में मंजू जैन रजनी कठल व्यवस्था मंत्री अनीता जैन पाटन सांस्कृतिक मंत्री शालिनी मरेठी श्रद्धा जैन मुक्ता स्वदेशी मनीषा जैन प्रतिमा सिंघई इसके अतिरिक्त श्रीमती ममता स्वदेशी विनीता जैन रजनी जैन प्रीति मोदी कल्पना स्वदेशी सुकुमारी चौधरी राजश्री जैन अरुणा जैन विनीता पाटन सुनीता जैन सुनीता स्वदेशी प्रिया मोदी नीलांजना मोदी सुषमा चौधरी बबीता अर्चना स्वदेशी को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि महिला मंडल का वार्षिक शुल्क 251 रुपये निर्धारित किया गया।

जंगली सुअर के शिकारी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया के न्यायालय द्वारा जंगली सुअर का शिकार करने वाले आरोपी मुन्नालाल उर्फ शिवप्रसाद गौंड पिता गुलाब गौंड, उम्र 50 साल निवासी ग्राम केदारपुर, थाना किंदरई, तहसील घंसौर जिला सिवनी (म.प्र.) को धारा-9/51 वन्य प्राणी (संरक्षण) अधि. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500- रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य पर फोकस के निर्देश

संयुक्त प्रयासों से मातृ-शिशु एवं कुपोषण पर नियंत्रण संभव: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में करेली में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में दोनों विभागों के मैदानी अमले को समन्वित रूप से कार्य करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा कुपोषण उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े कार्य केवल विभागीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को संवारने का महत्वपूर्ण दायित्व हैं। ऐसे कार्यों से मन को आत्मिक संतोष मिलता है, क्योंकि इनके माध्यम से सीधे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि आप सभी मैदानी स्तर पर अच्छा कार्य कर रहे हैं और बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

गर्भवती एवं धात्री महिलाओं पर करें फोकस

कलेक्टर ने कहा कि दोनों विभाग संयुक्त रूप से कार्य करते हुए तीन प्रमुख वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। इनमें किशोरी बालिकाएं, गर्भवती महिलाएं तथा धात्री महिलाएं शामिल हैं। इन वर्गों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण संबंधी परामर्श एवं समय पर आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने से कुपोषण, एनीमिया तथा मातृ-शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि कुपोषण दूर करने के लिए बच्चों का नियमित हेल्थ चेकअप किया जाए तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की सतत निगरानी एवं रूटीन स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किए जाएं। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

कार्यकर्ताओं की हुई सराहना

कार्यशाला के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनके कार्यों और उनसे समाज में आए सकारात्मक बदलाव के अनुभव भी साझा कराए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों के अनुभव नई कार्ययोजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं सरस्वती झारिया, नीतू परिहार, अंजना पाठक, विनीता ठाकुर एवं लक्ष्मी मेहरा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग करेली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं विनीता तिवारी, बबीता जाट, रजनी यादव, रामप्यारी पटेल एवं रमा पाठक के कार्यों की सराहना की गई। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रयास अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं। कार्यशाला में सीएमएचओ डॉ मनीष मिश्रा ,डॉ जी पी भनारिया ,डॉ विनय ठाकुर,सीडीपीओ आदित्य मोहन पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा संबंधित मैदानी अमला उपस्थित रहा।

कलेक्टर ने ट्रेंचिंग ग्राउंड का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को देवरीकला स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड का औचक निरीक्षण कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न इकाइयों का बारीकी से अवलोकन करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तथा मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी प्लांट का निरीक्षण कर वहां संचालित कार्यों, संसाधनों एवं अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्लांट की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के निस्तारण की व्यवस्था तथा कचरा संग्रहण स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर बनी रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आगामी पौधारोपण अभियान के लिए चिन्हित स्थलों का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधारोपण से पूर्व भूमि तैयार करने, गड्ढों की खुदाई, पौधों की उपलब्धता तथा सिंचाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाया जा सके।

पीड़ित मानवता की सेवा परम धर्म है: श्रीधर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुन्दर नारायण मुशरान की स्मृति एवं पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान के मार्गदर्शन में स्थापित उच्च शिक्षण संस्थान एम आई एम टी कॉलेज नरसिंहपुर के 28 वें स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर संस्थापक माधवराव सप्रे संग्रहालय भोपाल के मुख्य आतिथ्य, कैलाश सोनी पूर्व सांसद राज्यसभा की अध्यक्षता, पं. मैथिली शरण तिवारी वरिष्ठ समाजसेवी के विशिष्ट आतिथ्य एवं चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी तथा डॉ अशोक कुमार गर्ग, प्राचार्य की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रातः 11 बजे मुशरान पार्क स्थित श्याम सुन्दर नारायण मुशरान की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि से किया गया। मुख्य अतिथि श्रीधर ने शिक्षा के क्षेत्र में जिले की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पीड़ित मानवता की सेवा परम धर्म है, उन्होने महाविद्यालय द्वारा जिले की शिक्षण परंपरा को अक्षुण्य बनाये रखने हेतु शुभकामनाऐं दी। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री सोनी ने कहा कि षिक्षा संस्कार को गढ़ने का कार्य करती है महाविद्यालय ने इस परम्परा को अनवरत जारी रखा है तथा स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनऐं प्रेषित की। विषिष्ट अतिथि पं. तिवारी ने संस्था के शुभारंभ एवं प्रगति पर जानकारी देते हुए जीवन में शिक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के चेयरमैन इंजी. रुद्रेश तिवारी द्वारा स्वागत भाषण देते हुए विस्तार से कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा एम.आई. एम.टी. लॉ कॉलेज में विधिक सहायता केन्द्र एवं नवीनीकृत मूट कोर्ट हॉल का शुभारंभ किया गया। एन.सी.सी. एवं रासेयो इकाईयों द्वारा रक्तदान एवं रक्त परीक्षण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर एवं डॉ. गजानन मिश्रा को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा डी.लिट की उपाधि प्रदान करने पर संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित महाविद्यालय के गौरव शीतल सिलावट, आरती पटेल, पूना बाई सेन एवं आशीष ठाकुर को स्मृतिचिन्ह से पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय द्वारा जिले के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसी क्रम में स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की स्मृति में अमर शहीद आशीष शर्मा के परिजनों को, कृषि रत्न श्याम सुन्दर नारायण मुशरान की स्मृति में उन्नतशील कृषक राकेश दुबे करताज, साहित्यकार स्व. टी. आर. नेमा की स्मृति में सुशील शर्मा गाडरवारा, अभियांत्रिकी के क्षेत्र में स्व. इंजी. कौशलेन्द्र कुमार धौरेलिया की स्मृति में इंजी. आर.एस. शुक्ला, चिकित्सा के क्षेत्र में स्व. डॉ. एम.डी. बेलापुरकर की स्मृति में डॉ. आर.के. नीखरा, विधि के क्षेत्र में स्व. एड. चै. राजेन्द्र सिंह की स्मृति में एड. भानू श्रीवास्तव, शिक्षा के क्षेत्र में स्व. शेख न्याज मोहम्मद साहब की स्मृति में डॉ. आर.एस. शर्मा, पत्रकारिता के क्षेत्र में स्व. विष्णु ठाकुर की स्मृति में प्रकाश चैबे, खेल के क्षेत्र में स्व. यू.डी. शर्मा की स्मृति में गिरीश शर्मा, समाजसेवा के क्षेत्र में स्व. जगदीश भाई मानसाता की स्मृति में राकेश जैन, व्यवसाय के क्षेत्र में स्व. प्रमोद नेमा की स्मृति में सचिन दुबे को स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं संचालन श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. सी.एस. तिवारी, डॉ. अनन्त दुबे, सुरेन्द्र पटेल (मंझले भैया) गाडरवारा, थम्मन शर्मा, श्रीमती प्रीति मिश्रा, इंजी. सुनील कोठारी, मधु पालीवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन तथा महाविद्यालय स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में आमजनों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विधानसभा क्षेत्र के पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह 427 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 427 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे।

जबलपुर जाने के लिए नहीं है सीधी बस सेवा

डोभी सहित 25 से अधिक गांवों को मिलेगी सुविधा

डोभी। विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाला तेंदूखेड़ा से बरमान जाने वाले सड़क के बीच प्रतिष्ठित ग्राम डोभी से सीधी जबलपुर के लिए बस सेवा ना होने की स्थिति में यहां के लोगों को पहले या तो तेंदूखेड़ा आना पड़ता है या फिर बरमान करेली तरफ से बस पकड़ कर जबलपुर जाना पड़ता है। यहां के लोगों ने पुनः बस सेवा शुरू करने की मांग की है।इस क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि डोभी से करीब 25 से अधिक गांव जुड़े हुए हैं और बड़ी संख्या में लोगों को इलाज हाईकोर्ट एवं व्यापारिक गतिविधियों अन्य आवश्यक कामों के लिए प्रतिदिन जबलपुर जाना पड़ता है।

पूर्व में यहां से सीधी बस सेवा चला करती थी लेकिन लंबे समय से बंद होने के कारण लोगों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। आर्थिक बोझ के साथ हैरानी परेशानी हुआ करती है। रात्रि में डोभी तरफ आने के लिए तेंदूखेड़ा बरमान तरफ से भी कोई बस सेवा उपलब्ध नहीं है जिससे लोगों को और ज्यादा परेशानी हुआ करती है।यदि कोई व्यक्ति जबलपुर सागर तरफ जाता है और यदि शाम छ बजे के बाद वापस लौटता है तो उसे अलग से बाहन व्यवस्था करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले डोभी से जबलपुर के लिए नियमित बस संचालित होती थी जिससे आम नागरिकों मरीजों विद्यार्थियों और व्यापारियों को काफी सुविधा मिलती थी। लेकिन बस सेवा बंद होने के बाद सबसे अधिक परेशानी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को उठानी पड़ रही है। निजी वाहन या किराए की गाड़ी से जबलपुर जाने में हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं, जो हर परिवार के लिए संभव नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि डोभी से भोपाल के लिए वर्तमान में चार बसों का संचालन हो रहा है। जबकि भोपाल की दूरी जबलपुर की तुलना में काफी अधिक है। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अधिकतर जबलपुर के मेडिकल कॉलेज और बड़े अस्पतालों में ले जाना पड़ता है। जबलपुर जाने पर मरीज का इलाज एक ही दिन में कराकर वापस लौटना संभव हो जाता है, जबकि भोपाल जाने पर दूरी अधिक होने से दो दिन या उससे अधिक समय लग जाता है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बस सेवा शुरू होने से डोभी सहित आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों व्यापारियों और मरीजों की आवाजाही आसान होगी तथा निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी। ग्रामीणों ने प्रदेश के परिवहन मंत्री से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए डोभी जबलपुर बस सेवा को शीघ्र पुनः प्रारंभ कराया जाए। उनका कहना है कि यह केवल परिवहन की सुविधा नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य शिक्षा और आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

सीएससी संचालकों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वीएलई, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन को सीएससी के माध्यम से मिल रही डिजिटल एवं जनकल्याणकारी सेवाओं के प्रति जागरूक करना और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान सीएससी द्वारा प्रदान की जा रही प्रमुख सेवाओं का विस्तृत विवरण दिया गया। इनमें आयुष्मान भारत कार्ड, पैन कार्ड, आधार संबंधित सेवाएं, बैंकिंग एवं डिजिटल भुगतान (डिजीपे), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ई-श्रम पंजीकरण, टेली-लॉ, ई-कोर्ट सेवाएं, रेल टिकट आरक्षण, उपयोगिता बिल भुगतान, बीमा, पेंशन, पासपोर्ट आवेदन, डिजिटल शिक्षा, कृषि सेवाएं, ऋण सुविधा और कौशल विकास जैसी अनेक सरकारी व निजी सेवाएं शामिल हैं। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले 17 वर्षों में सीएससी ने ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक शासन की सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज यह डिजिटल इंडिया अभियान का आधार बनकर नागरिकों को उनके गाँव के निकट ही सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

युवाओं को कौशल संस्कार और एकता का मंत्र विश्व युवा कौशल दिवस पर आयोजन

तेंदूखेड़ा। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर एक शिक्षण संस्थान में ब्रह्माकुमारीज के उठो जगत के वास्ते प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कौशल विकास के साथ-साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया गया। मुख्य वक्ता बीके बिनीता दीदी ने युवाओं को राष्ट्र की अमूल्य शक्ति बताते हुए कहा कि केवल तकनीकी कौशल पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा यदि युवा अपने जीवन में सकारात्मक सोच अनुशासन

नशामुक्ति और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाते हैं। तो वे न केवल अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। बल्कि एक श्रेष्ठ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करें। कार्यक्रम के दौरान हम एक हैं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसमें छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ

भाग लिया और हस्ताक्षर कर राष्ट्रीय एकता सामाजिक सद्भाव आपसी भाईचारे और मानवता के मूल्यों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।संस्था के प्राचार्य ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा चलाए जा रहे इस जन जागरण अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने में सहायक होते हैं।इस मौके पर बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं रामशरण सिंह कौरव पिता मोहन सिंह कौरव निवासी ग्राम बिलौनी तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर का निवासी हूँ। मेरी पत्नि का नाम श्रीमति अरूणा कौरव है। मेरी पत्नि ने दिनांक 26.02.2026 को चौकसे हास्पिटल नरसिंहपुर में एक पुत्र पार्थिव कौरव को जन्म दिया है जिसका डिजीटल जन्म प्रमाण पत्र आपके द्वारा जारी किया गया है। यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र में हमारे व्दारा उसका नाम पार्थिव कौरव दर्ज करा दिया गया था जो कि उसका घरू नाम है एवं सामान्य बोलचाल की भाषा में बोला जाने वाला नाम है। मेरे पुत्र का सही और वास्तविक नाम प्रत्यक्ष कौरव PRATYAKSH KOURAV है जो कि पूर्णतः सही और सत्य है। यह कि मेरे पुत्र के उक्त जन्म प्रमाण पत्र व जन्म पंजीयन अभिलेखों में उसका पूर्व में दर्ज पार्थिव कौरव को विलोपित कर उसका सही और वास्तविक नाम प्रत्यक्ष कौरव PRATYAKSH KOURAV दर्ज कर संशोधित जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने हेतु यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।